AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अर्थव्यवस्था को सुधारा, अब मानव संसाधन भी सुधारेंगे

माई सिटी रिपोर्टर

दो साल पूरा होने पर कुलपति ने गिनाई उपलब्धियां | कहा, विवि में दोगुनी हुई विदेशी छात्रों का संख्या

लखनऊ। पहले लखनऊ विश्वविद्यालय एक जिले का विश्वविद्यालय था और अब पांच जिलों का है। इससे आर्थिक समस्याओं का स्थायी समाधान होगा। जहां पहले वेतन के लिए बजट जुटाने में ही समय लगता था। वहीं अब छात्रों के लिए लैब, क्लास रूम, हॉस्टल आदि सुधारने में बजट खर्च होगा। खास ये कि यह सब छात्रों पर बिना किसी तरह का बोझ डाले किया जा रहा है। इतना ही नहीं परीक्षा शुल्क 25 फीसदी कम भी किया गया है।

यह जानकारी बृहस्पतिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अपने दो साल का कार्यकाल पूरा होने पर आयोजित प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की आर्थिक स्थिति सुधारने का प्रयास तेजी से किया जा रहा है। जल्द ही इसका असर भी दिखेगा। वहीं, नए साल में अब मानव संसाधन व्यवस्था में सुधार होगा। फेकल्टी की कमी दूर की जाएगी। शिक्षकों के खाली पद पर भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। 117 शिक्षकों व 56 कर्मचारियों के प्रमोशन भी किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि कम्युनिकेशन व्यवस्था में सुधार का असर है कि सत्र 2021-22 में 357 विदेशी छात्रों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया है। यह सत्र 2020-21 की तुलना में लगभग दोगुने हैं। इस साल विश्वविद्यालय एनआईआरएफ में बेहतर रैंक लाने और नैक की अच्छी ग्रेडिंग के लिए पूरी कोशिश करेगा। उन्होंने कहा कि मालवीय हाल, शिक्षाशास्त्र विभाग, जूलॉजी, जियोलॉजी आदि विभागों के सभागारों को बेहतर करेंगे। विश्वविद्यालय की आंतरिक आत्मा को मजबूत करने के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचे का बेहतर प्रयोग करेंगे।

लविवि में बृहस्पतिवार को पांच ई-रिक्शा का उद्घाटन करने के बाद अपने कार्यालय जाते कुलपति प्रो. आलोक राय।

एक बिल्डिंग में छात्र संबंधी सभी केंद्र

इस अवसर पर कुलपति प्रो. राय ने छात्र सुविधा केंद्र, पांच ई-रिक्शा व बास्केटबॉल कोर्ट का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि सीपीएमटी भवन के भूतल पर स्थिति केंद्र में जहां वाई-फाई, बैठने, कॉफी वेंडिंग मशीन आदि की सुविधाएं हैं। वहीं, यहां पर चीफ प्रोवोस्ट, असिस्टेंट प्रॉक्टर ऑफिस व विदेशी छात्र केंद्र भी होगा। बिल्डिंग के प्रथम तल पर नवनिर्मित छात्र कल्याण कार्यालय भी है। दूसरे तल पर प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ा ऑफिस होगा। अभी तक विश्वविद्यालय में प्रवेश कार्य से जुड़ा कोई व्यवस्थित कार्यालय नहीं था। इस तरह इस बिल्डिंग में छात्रों से जुड़े सभी केंद्र होंगे। वहीं, परिसर को व्हीकल फ्री जोन बनाने के क्रम में छात्रों और विकलांग कर्मचारियों के लिए निःशुल्क ई-रिक्शा सुविधा भी उपलब्ध होगी।

NBT PAGE 4

एलयू कैंपस में ई-रिक्शे से चलेंगे दिव्यांग-बुजुर्ग

सीपीएमटी भवन और डीन छात्र कल्याण कार्यालय का भी उद्घाटन

■ एनबीटी, लखनऊ

लखनऊ यूनिवर्सिटी में दिव्यांग विद्यार्थी और कर्मचारियों के अलावा वुजुर्ग शिक्षक और कर्मचारियों को कैंपस में दूर तक पैदल नहीं चलना पड़ेगा। एलयू ओल्ड परिसर में फ्री ई-रिक्शा सुविधा से यह समस्या दूर होगी। एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को पांच ई-रिक्शों की शुरुआत की।

प्रो. आलोक कुमार राय ने एलयू के कुलपति के रूप में अपने दूसरे साल का कार्यकाल पूरा होने पर छात्र केंद्रित सुविधाओं के लिए नए सीपीएमटी भवन का भी आगाज किया। यहां, उन्होंने छात्र लाउंज का उद्घाटन किया, जो कॉफी वेंडिंग मशीन और अन्य सुविधाओं से लैस था। उन्होंने नवनिर्मित डीन छात्र कल्याण कार्यालय का भी उद्घाटन किया।

वीसी ने ओल्ड कैंपस में 5 ई-रिक्शों के साथ सुविधा का उद्घाटन किया।

नए साल में नए एजेंडे

कुलपति ने बताया कि आने वाले साल में एलयू विभिन्न विभागों में फैकल्टी सदस्यों की कमी को दूर करने की योजना बना रहा है। विवि मानव संसाधन कायाकल्प पर ध्यान केंद्रित करेगा, एनआईआरएफ में बेहतर रैंक हासिल करने की कोशिश करेगा और एनएएसी मान्यता प्राप्त करने के लिए पूरी कोशिश होगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में सभागारों की पुनर्रचना, विवि की आंतरिक आत्मा को मजबूत करने जैसे उपलब्ध बुनियादी ढांचे के बेहतर उपयोग के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने अपने दो साल की कोशिशों का लेखा-जोखा भी पेश किया। बताया कि एलयू में वित्तीय संकट काफी हद तक दूर किया गया है। इसके साथ प्रवेश अधिसूचना सभी दूतावासों और विश्वविद्यालयों में भी भेजी जा रही है। इस साल दीक्षांत समारोह में एलयू ने अपना मोबाइल ऐप लॉन्च किया है।

एलयू में यूजी के तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा का शेड्यूल जारी

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ यूनिवर्सिटी ने बीए, बीएससी, बीएससी होम साइंस और बीकॉम के तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाओं की तारीखें घोषित कर दी हैं। एलयू परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि कोविड-19 प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन करना होगा। विद्यार्थियों के साथ शिक्षक और कर्मचारी भी मास्क, सेनिटाइजेशन समेत अन्य नियमों का पालन करेंगे। इसमें रेगुलर, इग्जेमप्टेड, बैक पेपर और इंप्रूवमेंट वाले परीक्षार्थी भी परीक्षा दे सकेंगे।

बीए, बीएससी, बीएससी होम साइंस और बीकॉम के रेगुलर, एग्जेम्पटेड, बैक पेपर और इंप्रूवमेंट वाले परीक्षार्थी भी दे सकेंगे परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि बीए तीसरे सेमेस्टर (गणित, स्टैटिक्स व एंथ्रोपोलॉजी) की परीक्षाएं 17 जनवरी से नौ फरवरी तक चलेंगी। वहीं, कॉमर्स के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 27 जनवरी से आठ फरवरी तक होंगी, जबकि पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 28 जनवरी से नौ फरवरी तक होगी। इसी तरह बीएससी होम साइंस के तीसरे सेमेस्टर के पेपर 18 से 22 जनवरी तक चलेंगे। पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 17 से 29 जनवरी तक करवाई जाएगी। बीएससी और बीए तीसरे सेमेस्टर (गणित, स्टैटिक्स व एंथ्रोपॉलजी) की परीक्षाएं 18 जनवरी से सात फरवरी तक चलेंगी। इसी में, पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 17 जनवरी से 17 फरवरी तक प्रस्तावित हैं।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू : ई-रिक्शा की मुफ्त सुविधा, स्टूडेंट लाउंज भी

लखनऊ। कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अपने दूसरे वर्ष के कार्यकाल के पूरा होने पर गुरुवार को छात्रों को कई सुविधाएं दीं। केंद्रित सुविधाओं के लिए विश्वविद्यालय परिसर स्थित नए सीपीएमटी भवन का उद्घाटन किया। प्रो. राय ने सबसे पहले विश्वविद्यालय के छात्रों और विकलांग कर्मचारियों के लिए पांच ई-रिक्शा सुविधा का उद्घाटन किया।

ई-रिक्शा विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर लगाए जाएंगे और विश्वविद्यालय के छात्र और कर्मचारी भी इस सुविधा का निःशुल्क उपयोग कर सकते हैं। इसके बाद प्रो. राय ने सीपीएमटी भवन के भूतल का दौरा किया जहां उन्होंने स्टूडेंट लाउंज का उद्घाटन किया। जहां कॉफी वेंडिंग मशीन और अन्य सुविधाओं उपलब्ध करायी गई हैं। नवनिर्मित डीन छात्र कल्याण कार्यालय का भी उद्घाटन किय गया।

एलयू में गुरुवार को छात्रों व विकलांग कर्मचारियों के लिए ई-रिक्शा सुविधा शुरू हुई

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि उन्होंने कुछ बदलाव करके विश्वविद्यालय की कार्य संस्कृति में पारदर्शिता लाने के लिए अपने स्तर पर पूरी कोशिश की। कुलपति के रूप में अपने दो साल के कार्यकाल में उन्होंने डिप्लोमा से लेकर डी. लिट तक शिक्षा जगत का पूरी तरह से कायाकल्प करने का प्रयास किया। जो अब आधुनिक युग के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। साथ ही, उन्होंने उल्लेख किया कि इन सभी नए डिजाइन किए गए पाठ्यक्रमों के लिए नए अध्यादेश पारित किए गए हैं।

कैंपस के 17 एमबीए छात्र छात्राओं का हुआ प्लेसमेंट

लखनऊ। कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के 17 एमबीए छात्र-छात्राओं का आईसीआईसीआई सेक्योरिटीज में प्लेसमेंट मिला। इन छात्रों को प्रति वर्ष 4.05 लाख का पैकेज मिला है। प्लेसमेंट पाने वाले छात्र-छात्राओं में अंकित सिंह, मो. मिर्जा अली, सौम्या सिंह, वैष्णवी भाटिया, सौम्या पाण्डेय, विजय लक्ष्मी जायसवाल, आशीष पाठक, मयंक पाण्डेय, शुभंम सिंह, अंकित बारमर, जुवेरिया अफजल, इशांगी श्रीवास्तव, मो. अयाज, फैजान, हदेश , एनुल हक एवं महक हैं।

बीबीएयू श्रेष्ठ बैंड परफार्मर श्रेणी में

लखनऊ। अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशंस ऑन इनोवेशन अचीवमेंट्स रैंकिंग 2021 में बीबीएयू ने इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इम्पॉर्टेन्स एंड सेंट्रल यूनिवर्सिटीज की श्रेणी में 'श्रेष्ठ बैंड-परफॉर्मर्स' में जगह बनाने में सफलता हासिल की है। विवि ने इस वर्ष अटल रैंकिंग में हिस्सा लिया और विभिन्न मापदंडों के आधार पर विवि ने पूरे देशभर से चयनित कुल 19 बैंड-परफॉर्मर्स संस्थानों में अपनी जगह हासिल करने में सफलता पाई है।

PIONEER PAGE 4

लविवि कुलपति ने किया ई-रिक्शा सुविधा का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने अपने दूसरे वर्ष के कार्यकाल के पूरा होने पर गुरुवार को दो नए छात्र केंद्रित सुविधाओं के नए सीपीएमटी भवन पुराने परिसर का उद्घाटन किया। प्रो राय ने सबसे पहले विवि के छात्रों और विकलांग कर्मचारियों के लिए 5 ई-रिक्शा सुविधा का उद्घाटन किया। यह ई-रिक्शा विवि के मुख्य द्वार पर रहेंगे और विवि के छात्र और कर्मचारी भी इस सुविधा का निःशुल्क उपयोग कर सकते हैं। इसके बाद प्रो राय ने सीपीएमटी भवन के भूतल का दौरा किया जहां उन्होंने छात्र लाउंज का उदघाटन किया जो कॉफी वेंडिग मशीन और अन्य सुविधाओं से लैस था। उन्होंने नवनिर्मित डीन छात्र कल्याण कार्यालय का भी उद्घाटन किया जो अब छात्रों की जरूरत को बेहतर तरीके से पूरा करेगा। कुलपति ने मीडिया से बात करते हुए अपने दो साल के प्रयासों का लेखा-जोखा मीडिया के सामने रखा। उन्होंने कहा कि उन्होंने कुछ बदलाव करके विवि की कार्य संस्कृति में पारदर्शिता लाने के लिए अपने स्तर पर पूरी कोशिश की।

लविवि : 17 छात्रों का प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के एमबीए के 17 छात्रों को आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज में प्लेसमेंट मिला है। इसमें अंकित सिंह, मोहम्मद मिर्जा अली, सौम्या सिंह, वैष्णवी भाटिया, सौम्या पांडेय, विजय लक्ष्मी जायसवाल, आशीष पाठक, मयंक पांडेय, शुभम सिंह, अंकित बरमार, जुवैरिया अफजल, ईशांगी श्रीवास्तव, मोहम्मद अयाज खान, फैजान रिजवी, हृदेश सिंह, अनीनुल हक, मेहक श्रीवास्तव शामिल हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. संजय मेधावी के अनुसार इन विद्यार्थियों को 4.5 लाख सालाना का पैकेज दिया जाएगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

बीकॉम ऑड सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 से

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने जारी किया फाइनल कार्यक्रम

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (30 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने गुरुवार को यूजी ऑड सेमेस्टर एग्जाम का फाइनल कार्यक्रम जारी कर दिया. बीए, बीएससी, बीएससी गृहविज्ञान और बीकॉम (तीसरे व पांचवे सेमेस्टर) के एग्जाम 17 जनवरी से 22 फरवरी तक होंगे. एग्जाम कंट्रोलर प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि स्टूडेंट्स www.lkouniv.ac.in पर विस्तृत कार्यक्रम देख सकते हैं. एलयू आईएमएस और लॉ संकाय को छोड़कर ऑड सेमेस्टर (तीसरे, पांचवे, सातवें, नवें सेमेस्टर) के परीक्षा फार्म भरने से छूटे स्टूडेंट्स को फिर मौका देगा. एग्जाम कंट्रोलर प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि अब जिन स्टूडेंट्स ने 28 दिसंबर तक फीस जमा कर दिया है, उन्हें परीक्षा फार्म भरने का अवसर दिया जाएगा.

i-NEXT PAGE II & 4

1 साल में 100 फीसद बढ़ गए विदेशी छात्र

वीसी ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल का साझा किया रिपोर्ट कार्ड

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (30 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने अपने दूसरे साल के कार्यकाल के पूरा होने पर गुरुवार को दो नए छात्र केंद्रित सुविधाओं के नए सीपीएमटी भवन पुराने परिसर का उद्घाटन किया. प्रो. राय ने सबसे पहले यूनिवर्सिटी के छात्रों और विकलांग कर्मचारियों के लिए 5 ई-रिक्शा सुविधा का उद्घाटन किया. यह ई-रिक्शा यूनिवर्सिटी के मुख्य द्वार पर रहेंगे और यूनिवर्सिटी के छात्र और कर्मचारी इसका फ्री उपयोग कर सकते हैं. इसके बाद प्रो. राय ने सीपीएमटी भवन के भूतल का दौरा किया जहां उन्होंने स्टूडेंट्स लाउंज का उद्घाटन किया.

सौ प्रतिशत बढ़े विदेशी छात्र

वीसी ने यूनिवर्सिटी की बेहतरी के लिए किए गए अपने दो साल के प्रयासों को मीडिया के सामने रखा. उन्होंने कहा कि कुछ बदलाव करके यूनिवर्सिटी की कार्य संस्कृति में पारदर्शिता लाने के लिए पूरी कोशिश की. दो साल के कार्यकाल में डिप्लोमा से लेकर डीलिट तक पर ध्यान दिया. उन्होंने उल्लेख किया कि सभी नए डिजाइन किए गए पाठ्यक्रमों के लिए नए अध्यादेश पारित किया गया है.

CONCEPT PIC

चार नए जिले जुड़े

वीसी ने बताया कि यूनिवर्सिटी से चार नए जिले रायबरेली, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी जुड़े. आर्थिक तंगी से राहत के लिए विवि ने इस साल छात्रों के परीक्षा शुल्क में 25 प्रतिशत की कटौती की. उन्होंने बताया कि 2021-22 में, 357 विदेशी छात्रों ने यूनिवर्सिटी में नामांकन कराया है, जो 2020-21 की तुलना में 100 प्रतिशत अधिक है. उन्होंने कहा कि लखनऊ यूनिवर्सिटी एनआईआरएफ रैंकिंग प्राप्त करने वाली राज्य की पहली यूनिवर्सिटी है.

आगे की योजनाएं

उन्होंने कहा कि आने वाले वर्ष में यूनिवर्सिटी विभिन्न विभागों में फैकल्टी सदस्यों की कमी को दूर करने की योजना बना रहा है. यूनिवर्सिटी मानव संसाधन कायाकल्प पर ध्यान केंद्रित करेगा. नैक मूल्यांकन से लेकर एनआईआरएफ में बेहतर रैंक हासिल करने की कोशिश की जाएगी.

JAGRAN CITY PAGE VIII

सराहनीय | अभी राजधानी में दो परिसर हैं, तीसरे परिसर में नए सत्र से वोकेशनल और स्किल डेवलपमेंट कोर्स शुरू करने की तैयारी

सीतापुर में शुरू होगा लखनऊ विश्वविद्यालय का तीसरा परिसर

जारी, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए वर्ष 2021 कई उपलब्धियों के साथ चुनौती पूर्ण भी रहा। जहां पहली बार विश्वविद्यालय ने फार्मेसी, मालीकुलर जेनेटिक इंस्टीट्यूट शुरू करने, आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए चार नए जिलों के महाविद्यालयों को जोड़ने के साथ नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) में जगह बनाई वहीं, कोविड की वजह से प्रवेश प्रक्रिया और शैक्षिक सत्र देर से शुरू हो सका। अब नए वर्ष 2022 में विद्यार्थियों की सुविधाएं बढ़ाने के साथ-साथ सीतापुर में तीसरे परिसर की शुरुआत की तैयारी है।

अभी लखनऊ विश्वविद्यालय के पास दो परिसर हैं। इनमें पुराना परिसर और दूसरा जानकीपुरम स्थित नया परिसर शामिल है। अब नए सत्र से सीतापुर में तीसरा परिसर शुरू करने की तैयारी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि राज्य सरकार भवन दे रही है। इसमें वोकेशनल और विद्यार्थियों के स्किल डेवलपमेंट के कोर्स शुरू किए जाएंगे।

वे होंगी चुनौतियां : विश्वविद्यालय से अभी तक सिर्फ लखनऊ के 173 महाविद्यालय संबद्ध थे, लेकिन लवि की आय बढ़ाने के उद्देश्य से सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई और रायबरेली के महाविद्यालयों को भी जोड़ा गया है। अभी सिर्फ प्रथम वर्ष के विद्यार्थी ही शामिल हुए हैं, लेकिन लवि की अधिक फीस को लेकर कालेज नाराज हैं। ऐसे में पठन-पाठन और शैक्षिक स्तर को बनाए रखने के लिए इन साढ़े तीन सौ महाविद्यालयों में समन्वय स्थापित करके विश्वविद्यालय का शैक्षिक गुणवत्ता के स्तर को बढ़ाना चुनौतीपूर्ण होगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय को एनआइआरएफ रैंकिंग में बेहतर स्थान दिलाने व नैक का उच्च ग्रेड दिलाने के लिए भी बची हुई कमियों को दूर करने की दिशा में काम करना होगा।

लवि में नए साल में विद्यार्थियों को मिलेगा छात्र सुविधा केंद्र का उपहार ● सौजन्य : लवि

2021 की प्रमुख उपलब्धियां

- फार्मासी, मालीकुलर जेनेटिक इंस्टीट्यूट के साथ नए कोर्सों की शुरुआत
- एनआइआरएफ-2021 रैंकिंग में पहली बार जगह बनाई।
- स्नातक पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति लागू
- पहली बार पार्ट टाइम पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू किया
- आर्थिक व्यवस्था को सुधारने के लिए सीतापुर, हरदोई, रायबरेली और लखीमपुर खीरी के महाविद्यालयों को शामिल किया
- छात्र हित में कर्मयोगी, शोध मेधा और छात्र कल्याण छात्रवृत्ति की शुरुआत
- लंबित 106 शिक्षकों की पदोन्नति
- नैक मूल्यांकन के लिए एसएसआर (सेल्फ स्टडी रिपोर्ट) जमा
- 198 स्थायी शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की
- लवि के मोबाइल एप की लांचिंग
- सभी छात्रावासों में ओपन जिम की सुविधा
- विदेशी छात्र-छात्राओं के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्रावास की सुविधा
- एंथ्रोपोलोजी विभाग में नया टाइबल म्यूजियम स्थापित हुआ
- नवीन परिसर में योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय की स्थापना
- छात्र सुविधा केंद्र की शुरुआत करना
- परिसर में ई-रिक्शा का संचालन

वर्ष 2022 में उम्मीदें

- करीब 200 संविदा शिक्षकों की भर्ती करना
- डीलिट पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना
- जनवरी में एनआइआरएफ रैंकिंग में आवेदन करना
- सीतापुर में विश्वविद्यालय के तीसरे परिसर की शुरुआत करना
- विश्वविद्यालय के बचे हुए शिक्षकों की पदोन्नति करना
- पहली बार डिग्री कालेजों के शिक्षकों को शोध का मौका देना
- ग्रुप सी व डी के पदों पर संविदा कर्मचारियों की भर्ती

THE PIONEER PAGE 4

'Working on faculty deficiency, NAAC accreditation a priority'

PNS ■ LUCKNOW

Vice-Chancellor of Lucknow University AK Rai said here on Thursday that their priorities in the roadmap for 2022 would be working on faculty deficiency, NAAC accreditation and NIRF rankings.

Addressing mediapersons held at the university, he said, "We already have our foundation ready by being a NEP compliant institute and one of the issues which requires attention is faculty deficiency. How we tackle this and how effectively we handle this will be a major task in the coming year."

He said they have already started the process of human resource rejuvenation by addressing and redressing the issues of promotions of teachers since 2004, 2005 and 2006.

The VC said that getting the NAAC accreditation is the next priority and the work of data validation and verification is also going on. "NAAC accreditation is important also because we will then be able to take the finances and academics to another level. In the same vein, we will try and improve the performance in the NIRF. We were able to enter the NIRF rankings a hundred years after the university was founded, and we are not satisfied with our performance. We will work on student-teacher ratio, selection criteria etc. This is a big aim for us," he added.

The VC said they will also be working on infrastructural improvement of the university. "We have less land and even if we join resources, we will need space for structures such as auditorium, lecture complex and hostel. However, whatever we have, we will try to use it effectively. We will better utilise the existing auditoriums and other halls which are in a poor shape will be strengthened. We will be working more on the interior or the soul of the university instead of the exterior," Rai said.

LU VC addressing mediapersons on Thursday

Talking about achievements in the past two years, he said: "From DLitt to diploma, the academics has been changed looking into the dynamics of modern day requirements of modern age students. Several academic programmes have been rejuvenated. A major change was made when the university of one district was made the university of five districts, which could be termed as a structural expansion."

He pointed out that finances have also shown tremendous improvement. "Finances have always been a cause of concern for LU. We have a grant of Rs 34 crore and a salary liability of Rs 150 crore. We tried to access a large number of non-fee and non-revenue sources of finances. With the other initiatives which have been taken, I believe this problem will be resolved to a large extent in the next three years," he said.

He added that they could not look into several student facilities strictly because of financial crunch but now they have looked into the issues and believe the same would make the financial condition of LU strong. Rai said yet another achievement was the increase in the number of foreign students, possibly because of the communication methods which they adopted bringing about a better communication proliferation so that it was easily accessible. He also said that in the session 2021-22, 357 foreign students have registered for different courses, which is nearly a 100% jump as compared to the session 2020-21.

The VC said that on the completion of the second year of his tenure, two new student-centric facilities — CPMT Building and Old Campus — were inaugurated. Rai also inaugurated the e-rickshaw facility for students and differently-abled staff of the university. The e-rickshaws will be stationed at the main gates and the students as well as staff will be able to use the facility free of charge.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 2

कुलपति ने किया नए सीपीएमटी भवन का उद्घाटन

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार ने अपना दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर बृहस्पतिवार को लविवि के पुराने परिसर में दो नए छात्र केन्द्रित सुविधाओं के नए सीपीएमटी भवन का उद्घाटन किया। प्रो. राय ने सबसे पहले विश्वविद्यालय के छात्रों और विकलांग कर्मचारियों के लिए पांच ई-रिक्शा सुविधा का उद्घाटन किया। ये ई-रिक्शा विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर लगाए जाएंगे और विश्वविद्यालय के छात्र और कर्मचारी इस सुविधा का निःशुल्क उपयोग कर सकते हैं।

इसके बाद प्रो. राय ने सीपीएमटी भवन के भूतल का दौरा किया, जहां उन्होंने छात्र लाउंज का उद्घाटन किया, जो कॉफी वेंडिंग मशीन और अन्य सुविधाओं से लैस है। उन्होंने नवनिर्मित डीन छात्र कल्याण कार्यालय का भी उद्घाटन किया, जो अब छात्रों की जरूरत को बेहतर तरीके से पूरा करेगा। उद्घाटन के बाद कुलपति ने लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ब्लॉक के मंथन हॉल में अपने दो साल के प्रयासों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि कुछ बदलाव करके विश्वविद्यालय की कार्य संस्कृति में पारदर्शिता लाने के लिए अपने स्तर पर पूरी कोशिश की। कुलपति के रूप में अपने दो साल के कार्यकाल में उन्होंने डिप्लोमा से लेकर डी. लिट तक शिक्षा जगत का पूरी तरह से कायाकल्प किया, जो अब आधुनिक युग के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। साथ ही उन्होंने उल्लेख किया कि इन सभी नए डिजाइन किए गए पाठ्यक्रमों के लिए नए अध्यादेश पारित किए गए हैं। कुलपति ने बताया कि शिक्षकों की 117 पदोन्नति, गैर शिक्षण कर्मचारियों की 26 पदोन्नति हुई है, साथ ही गैर-शिक्षण कर्मचारियों को 117 एसीपी प्रदान किए गए और मृत आश्रित श्रेणी में 24 नियुक्तियां की गईं। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डा. विनोद कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

विकलांग कर्मचारियों के लिए ई-रिक्शा सुविधा का भी किया शुभारंभ

AMRIT VICHAR PAGE 5

उद्घाटन | लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों को मिला नया सीपीएमटी भवन, कुलपति ने गिनायीं उपलब्धियां

दिव्यांग छात्र व कर्मचारियों को मिलेगी ई-रिक्शा की सुविधा

अमृत विचार, लखनऊ

लविवि के छात्रों को समस्याओं के समाधान के लिए नया छात्र केन्द्रित सुविधा केन्द्र सीपीएमटी भवन मिल गया है। विश्वविद्यालय में प्रवेश करते ही दिव्यांग छात्रों व कर्मचारियों को ई-रिक्शा की सुविधा मुहैया करायी जायेगी। गुरुवार को इन दोनों सुविधाओं का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने किया।

ये ई-रिक्शा विवि के मुख्य द्वार पर लगाए जाएंगे। दिव्यांग छात्र और कर्मचारी इस सुविधा का निःशुल्क उपयोग कर सकते हैं। इसके बाद प्रो. राय ने सीपीएमटी भवन के भूतल का दौरा किया जहां उन्होंने छात्र लाउंज का उद्घाटन किया, जो कॉफी वेंडिंग मशीन और अन्य सुविधाओं से लैस है। उन्होंने नवनिर्मित डीन छात्र कल्याण कार्यालय का भी उद्घाटन किया, जो अब छात्रों की जरूरत को बेहतर तरीके से पूरा करेगा।

लविवि में प्रेसवार्ता करते कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय। फोटो : अमृत विचार

दूर किया गया वित्तीय संकटः कुलपति ने कहा कि उनके नेतृत्व में विवि ने वित्तीय संकट को दूर किया था क्योंकि विवि गैर-अनुदान राजस्व तक पहुंचने में सफल रहा था। आर्थिक तंगी से राहत के लिए विवि ने इस साल छात्रों के परीक्षा शुल्क में 25 प्रतिशत की कटौती की थी। कुलपति ने कहा कि मानव संसाधन क्षेत्र में शिक्षकों की 117 पदोन्नति, गैर शिक्षण कर्मचारियों की 26 पदोन्नति हुई है। साथ ही गैर-शिक्षण कर्मचारियों को 117 एसीपी प्रदान किए गए और मृत आश्रित श्रेणी में 24 नियुक्तियां की गईं। उन्होंने कहा कि लविवि एनआईआरएफ रैंकिंग प्राप्त करने वाला राज्य के विश्वविद्यालयों में पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने यह भी कहा कि लविवि देश का एनईपी अनुपालन संस्थान है।

विश्वविद्यालय की बदलेगी कार्य संस्कृति

कुलपति ने इस दौरान प्रेसवार्ता कर बताया कुछ बदलाव करके विश्वविद्यालय की कार्य संस्कृति में पारदर्शिता लाने के लिए अपने स्तर पर पूरी कोशिश पिछले दो सालो में की गयी है। इसके साथ ही डिप्लोमा से लेकर डी .लिट तक शिक्षा जगत का पूरी तरह से कायाकल्प किया गया है जे आधुनिक युग के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। साथ ही, उन्होंने उल्लेख किया कि इन सभी नए डिजाइन किए गए पाठ्यक्रमों के लिए नए अध्यादेश पारित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में संरचनात्मक विस्तार किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के क्षेत्र का एक शहर से चार शहरों तक विस्तार किया गया।

TOI PAGE 3

LU's NY gift: Free e-rick rides, lounge with WiFi

Facility For Staff And Students

Pranchal Srivastava | TNN

Lucknow: Students, teachers and staff of Lucknow University will get a lounge and e-rickshaw facility to commute on the campus from the New Year.

The two facilities inaugurated on Thursday by vice-chancellor, Prof AK Rai on completion of two years in office will be free of cost.

Five e-rickshaws deployed at different gates will ferry staff, teachers and students having any kind of physical disability

"The lounge or student facility centre with a capacity of 30 persons will be opened on the ground floor of CPMT building on the main campus. It will have WiFi, air-conditioning and seating facility. Students and teachers can use it for conferences or discussions after taking permission from the dean student welfare," said the VC while addressing mediapersons.

"Since LU campus is a no-vehicle zone, five e-rickshaws will be deployed at different gates of the university campus to ferry staff, teachers and students having any kind of physical disability. Elderly can also use the service," he added.

Briefing about his plan for the next year, the VC said that the university will fill all the vacant teaching posts by March. This, he added, will help LU in improving its grades in ratings done by National Institutional Ranking Framework and National Accreditation and Assessment Council. Further, he said, infrastructure of hostels, classrooms and auditoriums will be improved. He also said that the university is working on plans to improve its financial condition.

Counting his achievements, Prof Rai said LU became first in the country to implement National Education Policy, 2020.

"We are also the first among UP's state universities to get NIRF ranking. Besides, we made our website more student friendly, reduced examination fees and added new courses. Owing to improvement in quality of education, 357 foreign students took admissions in various courses of LU this year, which is around 100% more than the previous session," he added.